मंत्री किरोड़ीलाल का मुद्दा सॉल्व करना पड़ेगा, वो मेरे साढ़ू भाई हैं : डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने सदन में मंत्री किरोड़ीलाल के मुद्दे की आड़ में सरकार पर तंज कसे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ईआरसीपी और यमुना जल परियोजना को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। डोटासरा ने कहा कि जब सफाई कर्मचारियों की भर्ती, ट्रेनिंग के बाद करोगे तो क्या प्रदेश में मुख्यमंत्री और मंत्रियों को भी ट्रेनिंग के बाद बनाया है।

- **डोटासरा ने कहा, ''बीसलपुर से रोजाना 7 करोड़ रु. की बजरी चोरी होने का मामला गंभीर, सरकार आखिर चुप क्यों है?''**

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि, ''मुख्यमंत्रीजी! यह किरोड़ीलाल लाल वाला मामला तो आपको सॉल्व करना पड़ेगा, वो मेरे साढ़ू भाई हैं। किरोड़ी ने दौसा में भी कहा कि मुख्यमंत्री मेरे भाई हैं, भाई बनाकर छुरा घोंप दिया। जब आपका कैबिनेट मंत्री यह कह रहा है बीसलपुर से रोजाना 7 करोड़ की बजरी चोरी हो रही है और उसके बाद में सब मौन धारण किए हुए हो, इसका मतलब पूरी सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, किरोड़ी जो कह कर गए हैं, यह छोटी बात नहीं है।''

डोटासरा ने कहा कि मध्य प्रदेश के साथ ईआरसीपी का क्या समझौता हुआ, यह जनता जानना चाहती है। केंद्र के 2 बजट आ गए, लेकिन एक धेला भी नहीं मिला। उन्होंने नोनेरा बांध को लेकर भी सरकार के दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह कांग्रेस सरकार की देन है।

मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए डोटासरा ने कहा कि वे भामाशाह बनकर घूम रहे हैं। चार महीने बीत गए, लेकिन यमुना जल समझौते की डीपीआर तक नहीं बनी। उन्होंने केन्द्रीय बजट के दौरान मुख्यमंत्री के पेन-डायरी लेकर बैठने का जिक्र करते हुए कहा कि डेढ़ घंटे बैठे रहे, लेकिन कुछ लिख नहीं पाए।

विधानसभा में डोटासरा ने कहा कि अंग्रेजी स्कूलों का रिव्यू करने वाली कमेटी से डिप्टी सीएम को हटाना पड़ेगा। दूदू में लोग अंग्रेजी स्कूल बंद करने के खिलाफ हैं, वो साइन करने से मना कर देंगे, जैसे किरोड़ी की छुट्टी के लिए सब अफसरों ने साइन करने से मना कर दिया था। उसके बाद शिखर साहब को साइन करने पड़े कि मुझे निर्देश प्राप्त हुआ। लोगों को अचंभा हुआ, लेकिन मुझे नहीं हुआ। जब सारे काम पर्ची से हो रहे हैं तो पर्ची आई होगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण

जयपुर (कासं)। कृषि एवं उद्यानिकी शासन सचिव राजन विशाल ने सोमवार को पंत कृषि भवन में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण कर रबी 2024-25 की 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

राजन विशाल ने बताया कि कृषकों को समय पर बीमा पॉलिसी की हार्ड कॉपी नहीं मिलने से खराबा होने पर फसल की जानकारी एवं किसानों को बीमा के प्रति जागरुक करने के लिए पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शिविर लगाकर पॉलिसियों का वितरण 15 मार्च तक किया जायेगा।

5 फरवरी से आयोजित किये जा रहे एग्रोस्टेक योजना के कैम्पों में भी कृषि पर्यवेक्षकों द्वारा पॉलिसियों का वितरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो किसान इन शिविरों में पॉलिसी प्राप्त करने से वंचित रह जाते है, वे अपनी फसल बीमा पॉलिसी संबंधित कृषि पर्यवेक्षक से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फसल बीमा योजना को और सरल बनाने व किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ प्रदान करने के लिए कृषि विभाग प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल और स्पीकर देवनानी ने किया नेवा सेवा केन्द्र का शुभारंभ

ई-लर्निंग कम ई-फैसिलेशन सेन्टर के रूप में कार्य करेगा नेवा सेवा केन्द्र : देवनानी

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व स्पीकर वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को यहां विधान सभा में नेवा सेवा केन्द्र का फीता खोल कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और राज्य सभा सदस्य व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड सहित विधायक भी मौजूद थे। देवनानी ने बताया कि नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के इस केन्द्र से विधान सभा को पेपरलैस बनाये जाने से संबंधित नेवा माडयूल्स का प्रशिक्षण और इससे संबंधित तकनीकी सहायता विधायकगण को उपलब्ध करवाई जायेगी। यह केन्द्र विधायकगण के साथ अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए भी ई-लर्निंग कम ई-फैसिलेशन सेन्टर के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार की राज्य की विधान सभाओं को डिजिटल बनाये जाने के लिए नेवा एप्लीकेशन का संचालन राजस्थान विधान सभा में भी किया जा रहा है।

- **राजस्थान विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र का शुभारम्भ**

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि वन-नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के उपयोग से राजस्थान विधान सभा का सदन और विधान सभा सचिवालय भी लोकसभा तथा अन्य विधान सभाओं की तर्ज पर डिजिटल हो गये हैं। उन्होंने बताया कि इस ई-विधान एप्लीकेशन से राज्य विधान सभा के सदस्यों और राज्य के अधिकारियों के साथ-साथ मीडिया प्रतिनिधिगण, अनुसंधानकर्ता और आम नागरिकगण को विधान सभा से संबंधित विधेयक, रिर्पोटस, सदन के पटल पर रखे जाने वाले विधेयक, प्रश्न, बुलेटिन सहित अन्य कार्यवाही विवरण संबंधित सूचनाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

राजस्थान विधान सभा को डिजिटल बनाये जाने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना की अध्यक्ष देवनानी ने निरन्तर समीक्षा की है। देवनानी के निरन्तर प्रयास और पहल से यह परियोजना सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तीसरे सत्र से आरम्भ हो सकी है। यह परियोजना केन्द्र व राज्य सरकार के क्रमशः 60 व 40 के अनुपात में वित्तीय सहायता से पूरी हुई है। इसके तहत विधान सभा के सदन में विधायकगण की प्रत्येक सीट पर एक आईपैड लगाया गया है। परियोजना के तहत एक लैपटॉप मय प्रिन्टर विधायकगण को उपलब्ध करवाये जाने का प्रावधान भी है।

इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, प्रमुख संदर्भ व अनुसंधान अधिकारी श्री विनोद मिश्रा, नेवा के नोडल अधिकारी नरेश जैन सहित विधान सभा के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डोटासरा ने सदन में संसदीय कार्य मंत्री पर गाली देने का आरोप लगाया

जयपुर (विसं)। विधानसभा के तीसरे सत्र की कार्यवाही के दौरान सोमवार को कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल पर गाली देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भोजनावकाश से पहले जब सदन की कार्यवाही चल रही थी, उस समय जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे तो संसदीय कार्यमंत्री ने न केवल उन्हें बोलने से रोका, बल्कि गाली भी दी। डोटासरा ने कहा, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ हो नहीं सकता। इसके लिए संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

- **इस पर मंत्री जोगाराम पटेल ने सॉरी कहते हुए कहा कि, ''अगर उनसे फ्लो में बोलते समय उत्तेजना में यदि कुछ गलत निकल गया है तो इसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए।''**
- **उधर डोटासरा ने कहा कि अगर मंत्री ने कुछ गलत नहीं कहा तो फिर डिलीट क्या करवा रहे हैं।**
- **हालांकि स्पीकर देवनानी ने दोनों पक्षों से समझाइश कर पूरे मामले को शांत किया और सदन में सभी सदस्यों को मर्यादा बनाये रखने की नसीहत दी**

बयान के जवाब में जोगाराम पटेल ने कहा कि उनकी मंशा किसी के प्रति गलत नहीं रही है। वे सबका मान-सम्मान करते हैं और करते रहेंगे, हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि फ्लो में बोलते समय उत्तेजना में यदि कुछ गलत निकल गया है तो इसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। इस पर डोटासरा ने कहा कि अगर मंत्री ने कुछ गलत नहीं कहा तो डिलीट क्या करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री जोगाराम पटेल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि उनके मुंह से कुछ गलत निकल गया तो वे सॉरी बोलते हैं।

सचेतक जोगेश्वर गर्ग अपनी सीट पर खड़े हुए और कहा कि सदन में सबसे ज्यादा अव्यवस्था लक्ष्मणगढ़ विधायक (गोविंद सिंह डोटासरा) ने फैलाई है। इसके लिए उन्हें भी माफी मांगनी चाहिए। इस पर अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सदन की मर्यादा बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने दोनों पक्षों को सदन की गरिमा बनाए रखने की नसीहत दी। इसके बाद आगे की कार्यवाही शुरू हुई और राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई।

'आदेश की पालना करो वरना आयुर्वेद सचिव पेश हो'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति से जुडे मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 18 फरवरी को आयुर्वेद सचिव को पेश होकर बताने को कहा है कि अदालती आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता आयुर्वेद चिकित्सक को 62 साल की उम्र तक सेवा में क्यों नहीं रखा गया अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की पालना हो जाती है तो सचिव को पेश होने की जरूरत नहीं है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश विजेन्द्र सिंह गुर्जर की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई**

अवमानना याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने एलोपैथी चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाकर 62 साल की थी। इस पर आयुर्वेद चिकित्सकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उनकी सेवानिवृत्ति आयु भी बढाने की गुहार की। इस पर हाईकोर्ट ने जुलाई, 2022 को राज्य सरकार को निर्देश दिए कि जो चिकित्सक 62 साल की उम्र पार कर चुके हैं, उन्हें इस अवधि का वेतन दिया जाए और जो शेष को 62 साल तक सेवा में रखा जाए। वहीं इस आदेश के खिलाफ पेश एसएलपी भी सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी, 2024 को खारिज कर दी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता को साल साल की उम्र पूरी होने पर 30 जून, 2023 रिटायर कर दिया।

भगवान देवनारायण के आदर्श अपनाएं : सीएम भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवनारायण जयंती (4 फरवरी) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि भगवान देवनारायण ने बेसहारा, दीन-दुखियों की मदद तथा गौ रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया और समाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आ ान किया कि वे भगवान देवनारायण के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाजिक समरसता को सशक्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि प्रदेश व देश उन्नित के नए शिखर को छू सके।

'सदन में पेपरलैस प्रक्रिया के सुचारू संचालन में सहभागी बनें विधायक'

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को सदन में पेपरलैस व्यवस्था में विधायको को सहभागी बनने का आग्रह करते हुए कहा कि आईपैड का सुचारु संचालन कर विधायक, विधानसभा की पेपरलैस व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के लिए सदन में विधायकों को तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए तकनीकी सहायक मौजूद है। विधीयकगण आवश्यकता होने पर तकनीकी मदद सदन में ले सकते है।

देवनानी ने कहा कि ''मुझे सदन के सदस्यों को एक जानकारी देनी है कि विधान सभा की कार्यवाही को पेपरलैस बनाने हेतु नेवा परियोजना लागू की गई है। इसके तहत सभी माननीय सदस्यों की सीटों पर आईपैड भी स्थापित किये गये हैं। सदन की गरिमा तथा उपकरणों की सुरक्षा की दृष्टि से यह निर्देश है कि प्रत्येक सदस्य अपनी फेस आईडी से उपकरणों को लॉक नहीं करें तथा ना ही एपल आईडी उसमें प्रविष्ठ करें। ऐसा करने से उपकरणों का विधान सभा सचिवालय द्वारा संधारण करना असुविधाजनक हो जायेगा।''

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने सदन में कहा कि ''सदन की कार्यवाही के दौरान हॉटस्पाट प्रयुक्त कर नेवा की ई-बुक के अतिरिक्त अन्य कोई वैबसाइट सर्फ नहीं करें। आईपैड का कैमरा ऑन कर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी नहीं करें। किसी प्रकार का ऑडियो सदन में प्ले नहीं करें। आईपैड पर नेटवर्क तथा चार्जिंग केबल के द्वारा हो रही है।

'धर्मांतरण विरोधी बिल सनातन संस्कृति की रक्षा का कदम'

जयपुर (कासं)। राजस्थान भाजपा की भजनलाल सरकार द्वारा धर्मांतरण विरोधी धार्मिक विधेयक 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025' विधानसभा में पेश किया गया है, इस बिल का भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने स्वागत करते हुये कहा कि यह बिल राजस्थान की सनातन संस्कृति एवं मूल्यों की रक्षा करने की दिशा में महत्वपूर्ण विधेयक है।

इस तरह के महत्वपूर्ण कानून की प्रदेश में पिछले दो दशकों से मांग चल रही थी। पंद्रहवी विधानसभा के आखिरी सत्र में भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रहने के दौरान बतौर आमेर विधानसभा सदस्य डॉ. सतीश पूनियां द्वारा लगभग इसी तरह के मसौदे वाला एक गैर सरकारी विधेयक 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2023' विधानसभा में लाया गया था। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस की तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार के शासन में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने उस धर्मांतरण विरोधी प्राइवेट बिल को यह कहकर खारिज कर दिया था कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 के विरूद्ध है। पूनियां ने कहा कि, मतांतरण पर भाजपा की शुरू से स्पष्ट नीति रही है कि सभी को अपना धर्म चुनने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है लेकिन बलपूर्वक कोई भी किसी का मतांतरण नहीं कर सकता। डॉ. पूनियां ने कहा कि, राजस्थान में धर्मांतरण विरोधी विधेयक के लिए कई बार प्रयास हुए, लेकिन पूर्वाग्रह और तुष्टिकरण की नीति से ग्रसित कांग्रेस सरकारों ने कभी इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार करने का प्रयास ही नहीं किया। अच्छी बात है कि राज्य की भाजपा सरकार ने निर्णय लेकर राज्य में अवैध धर्मांतरण को रोकने और कड़ी सजा के प्रावधान वाले विधेयक को विधानसभा में पेश कर बड़ी सकारात्मक पहल की है, जिससे राजस्थान की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत को मजबूती के साथ संरक्षण मिलेगा।

मंत्री किरोड़ीलाल की जगह ओटाराम देवासी ने जवाब दिए तो विपक्ष ने किया हंगामा

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को हंगामे हुई। सदन में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के स्थान पर राज्यमंत्री ओटाराम देवासी द्वारा प्रश्नों का जवाब देने पर विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया। कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को सदन में बुलाए जाने की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूछा कि, ''कितने प्रतिशत फसलें खराब हुई हैं। इस सवाल का जवाब ओटाराम देवासी नहीं दे पाए, जिसके बाद विपक्ष ने मांग करते हुए कहा कि किरोड़ीलाल मीणा को बुलाइए।''

दरअसल सदन की कार्यवाही से पहले ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को सदन में उपस्थित नहीं होने की अनुमति देने पर सदन से ''हां या ना'' में जवाब मांगा था। इस पर भी कांग्रेस नेता टीकाराम जूली ने कहा कि किरोड़ी बीमार नहीं, मजबूर हैं। राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ जैसे ही शुरू हुई, तब पीपल्दा से कांग्रेस विधायक चेतन पटेल ने अतिवृष्टि से जुड़े सवाल पर सरकार से जवाब मांगा। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि मंत्री ओटाराम देवासी जवाब देंगे। उन्होंने बताया कि 25 हजार 418 हेक्टेयर में फसलें खराब हुई हैं और 24100 हेक्टेयर भूमि पर किसानों को ज्यादा नुकसान हुआ है। यह पूरा डाटा वेब पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि चपेट में आए 85 गांवों को भी जल्द ही मुआवजा दे दिया जाएगा। इस पर टीकाराम जूली ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि में जो मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका मुआवजा दिया जाएगा या नहीं?

- **अतिवृष्टि से प्रदेश में फसल खराबे के मुद्दे पर राज्यमंत्री देवासी ने दिए थे जवाब**
- **कांग्रेस विधायकों ने मंत्री किरोड़ीलाल को विधानसभा कार्यवाही के दौरान सदन में बुलाने की मांग रखी**

इस पर मंत्री देवासी ने कहा कि प्रदेश के 30 जिलों में 33 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ है। पीपल्दा के 175 गांव व निमोद में 85 गांव और कुल मिलाकर 25,458 गांवों में 33 फीसदी खराबे के अनुदान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके बाद टीकाराम जूली के 50 फीसदी से ज्यादा फसल खराबे के बारे में पूछने पर सदन में हंगामा हो गया।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने किरोड़ीलाल मीणा के विभागों के विधानसभा में समस्त संसदीय कार्य विधानसभा प्रश्नों प्रस्तावों के अनुमोदन और उत्तर दिए जाने सहित अन्य संसदीय कार्य संपादित करने के लिए मंत्री ओटाराम देवासी और के. के. विश्नोई को अधिकृत किया है।

आयुर्वेद शिक्षकों तथा विद्वानों के लिए 6 दिवसीय प्रशिक्षण

हरिद्वार। आयुष मंत्रालय के अन्तर्गत स्वायत्त संगठन राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ द्वारा आयुर्वेद शिक्षकों तथा आयुर्वेद के स्नातकोत्तर व स्नातक विद्वानों के लिए 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'चरकायतन' का आयोजन पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि 'चरकायतन' का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में चरक संहिता का प्रामाणिक नैदानिक ज्ञान तथा अभ्यास की प्रासंगिकता प्रदान करना व चरक संहिता को सीखने व पढ़ाने का कौशल विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमें आयुर्वेद से जुड़ने का अवसर मिला। आयुर्वेद केवल आजीविका या जीवन निर्वहन का साधन नहीं है अपितु ऋषि ऋण से उऋण होने का उपाय है।

- **आयुर्वेद जीवन निर्वहन का साधन नहीं, ऋषि ऋण से उऋण होने का उपाय : आचार्य बालकृष्ण**

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आपके व्यवहार में, आचरण में, स्वभाव में व जीवन में आयुर्वेद दिखना चाहिए। स्वयं को वैद्य कहलाने में संकोच नहीं होना चाहिए अपितु गौरव अनुभव होना चाहिए। वैद्यकीय क्षमता व आयुर्वेद क्षमता बहुत व्यापक है। एलोपैथ सिंथेटिक दवाओं व कैमिकल्स पर आश्रित है, इसमें बहुत से साधनों की आवश्यकता रहती है। आयुर्वेद पराश्रित नहीं है। जड़ी-बूटियां घोटकर, छाल, तना, पत्तियों का प्रयोग कर, काढ़ा बनाकर आप जीवन दे सकते हैं। लेकिन सर्वप्रथम स्वयं पर, अपने आयुर्वेद पर विश्वास तो करना होगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की ओर से सोमवार को 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'चरकायतन' का शुभारम्भ हुआ।

कार्यक्रम में विख्यात आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य (प्रो.) एस.के. खण्डेल ने कहा कि पतंजलि पूरे विश्व में आयुर्वेद व योग के क्षेत्र में विश्व का सबसे अग्रणी संस्थान है। पतंजलि ने आयुर्वेद व योग को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पटल पर तथ्यों व प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया है। पतंजलि में आयुर्वेद को जीना सिखाया जा रहा है। आचार्य बालकृष्ण ने ग्रंथों की रचना कर आयुर्वेद की धाती बनाया है और विश्व में आयुर्वेद को नई पहचान दी है। विश्व में जितनी भी चिकित्सा पद्धितयाँ हैं उनके समावेश का असंभव सा कार्य आचार्य ने करके दिखाया है।

इस आयोजन में समय-समय पर आयुर्वेद के विद्वानों का सान्निध्य प्राप्त होता रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पद्मश्री और पद्म विभूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ गवर्निंग काउंसिल के सदस्य वैद्य राकेश शर्मा, वैद्य मोहन लाल जायसवाल, संतोष भट्टेड़, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की निर्देशिका डॉ. वंदना सिरोहा, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान जामनगर के वैद्य (प्रो.) हितेश व्यास, दीक्षित आयुर्वेद फोंडा गोवा के वैद्य (प्रो.) उपेंद्र दीक्षित, एवीएस आयुर्वेद महाविद्यालय, बीजापुर, कर्नाटक के वैद्य (प्रो.) संजय कडलिमट्टी, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के यंग प्रोफेशनल, डॉ. खुशबू पांडेय तथा डॉ. अनुराग सिंह व प्रोजेक्ट सलाहकार डॉ. लवनीत शर्मा ने प्रतिभागी विद्वानों व विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया।

''आपणी सड़कां'' पुस्तक में मिलेंगी अच्छी गुणवत्ता की सड़क निर्माण की सरल जानकारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया पुस्तिका का विमोचन

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण की जानकारी के लिए ''आपणी सड़कां....एक मात्र संकल्प:गुणवत्तापूर्ण निर्माण'' शीर्षक से हिन्दी में तैयार की गई पुस्तिका का विमोचन किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च गुणवत्ता की सड़क किसी भी देश-राज्य की अर्थव्यवस्था की धुरी है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बेहतरीन सड़क नेटवर्क विकसित करने के साथ सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी है।

उन्होंने कहा कि सरल बोल-चाल की भाषा में तैयार की गई यह पुस्तक सड़क निर्माण से जुड़े अभियन्ताओं-सुपरवाईजरों एवं अन्य लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी और गुणवत्ता पूर्ण सड़क निर्माण सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को ''आपणी सड़कां....एक मात्र संकल्प:गुणवत्तापूर्ण निर्माण'' पुस्तिका का विमोचन किया।

मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत खत्री ने बताया कि काफी समय से राजस्थान में ग्रामीण सड़कों के निर्माण कार्य से जुड़े विभागीय अभियंताओं, संवेदकों के इंजीनियरों-सुपरवाईजरो, अभियांत्रिकी एवं पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों द्वारा ऐसी पुस्तिका की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी, जिसमें ग्रामीण सड़कों के निर्माण से सम्बंधित अखिल भारतीय स्तर के मानकों, सरल निर्माण कार्य विधि एवं अन्य तकनीकी जानकारी सरल बोल-चाल की भाषा में एक साथ प्राप्त की जा सके। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी की क्वालिटी कन्ट्रोल सर्किल बीकानेर के अधीक्षण अभियंता सुनील गहलोत और उनकी टीम द्वारा यह पुस्तक तैयार की है।

- **पीडब्ल्यूडी की क्वालिटी कन्ट्रोल सर्किल बीकानेर के अधीक्षण अभियंता सुनील गहलोत और उनकी टीम द्वारा यह पुस्तक तैयार की है।**

इस पुरस्तक में गैर शहरी सड़कों हेतु ज्यामितीय डिजाइन मानक, मिट्टी का कार्य, ग्रेनुलर सब बेस कार्य, बेस कोर्स, डामर कार्य, सीमेन्ट कंक्रीट कार्य,इन्टरलॉकिंग ब्लॉक कार्य,क्रॉस ड्रेनेज कार्य तथा गुण नियंत्रण सहित विभिन्न उपयोगी जानकारी पुस्तक में समाहित की गई है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता,शासन सचिव डी.आर.मेघवाल, अतिरिक्त सचिव एवं मुख्य अभियंता टी.सी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

'डीडवाना औद्योगिक क्षेत्र में खाली भूखण्डों के लिए आवंटियों को नोटिस जारी'

जयपुर (विसं)। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में खाली पड़े भूखण्डों के आवंटियों को रीको द्वारा ''कारण बताओ नोटिस'' जारी किये गये हैं। राठौड़ प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आवंटियों द्वारा जवाब प्रस्तुत करने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में पानी, बिजली की उपलब्धता एवं डंपिंग यार्ड की समस्या के समाधान के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना को 2017 में पानी की कमी के चलते सेमी डेवलप्ड क्षेत्र घोषित किया गया था। वर्तमान में यहां खाली 47 भूखण्ड हैं एवं 58 भूखण्डों पर उत्पादन चालू है। इससे पहले विधायक यूनुस खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उद्योग मंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र, डीडवाना की स्थापना वर्ष 1998 में 31.38 हैक्टेयर भूमि पर की गयी है।